प्रवेशिका
मैथिली गद्य-पद्य संग्रह

भाग-1

निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त ।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

प्रथम संस्करण - 2014

मूल्य : रु० 30.00

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800001 द्वारा प्रकाशित तथा ज्ञान ऑफसेट, इलाहीबाग, पटना द्वारा 5,000 प्रतियाँ मुद्रित ।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकारक निर्णयानुसार अप्रैल 2013 सँ राज्यक कक्षा IX एवं X हेतु ऐच्छिक विषयक पाठ्यक्रम लागू कएल गेल अछि । एही संदर्भमे एस०सी०ई०आर०टी. बिहार पटना द्वारा विकसित प्रस्तुत पुस्तक निगम द्वारा आवरण चित्रणकेँ मुद्रित कएल जा रहल अछि।

बिहार राज्यमे विद्यालयीय शिक्षाक गुणवत्तापूर्ण शिक्षाक लेल माननीय मुख्यमंत्री, बिहार श्री जीतन राम मांझी, शिक्षा मंत्री, श्री वृशिण पटेल एवं शिक्षा विभागक प्रधान सचिव श्री आर० के० महाजनक मार्गदर्शनक प्रति हम हृदयसँ कृतज्ञ छी ।

एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार पटनाक निदेशकक हम आभारी छी, जे अपन सहयोग प्रदान कएल।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्र-छात्रा, अभिभावक, शिक्षक, शिक्षाविदक टिप्पणी एवं सुझावक सदैव स्वागत करत, जाहिसँ बिहार राज्यक देशक शिक्षा जगतमे उच्चतम स्थान दियाबमे हमर प्रयास सिद्ध भऽ सकए।

जे० के० पी०, सिंह, भा० रे० का० से०
प्रबंध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०

दिशा बोध

- **श्री अमरजीत सिन्हा**, प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार, पटना
- **श्री राहुल सिंह**, राज्य परियोजना निदेशक, बिहार माध्यमिक शिक्षा परिषद्, पटना
- **श्री हसन वारिस**, निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
- **डॉ. सैयद अब्दुल मुईन**, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
- **डॉ. ज्ञानदेवमणि त्रिपाठी**, सदस्य, पाठ्यक्रम सह पाठ्यपुस्तक विकास समिति

लेखक समूह

01. **डॉ॰ इन्द्रकान्त झा**, पूर्व अध्यक्ष, मैथिली विभाग, पटना विश्वविद्यालय,पटना।
02. **डॉ॰ कमलाकान्त भण्डारी**, पूर्व व्याख्याता, राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, शास्त्री नगर, पटना।
03. **डॉ॰ वीणाधर झा**, व्याख्याता, पटना कॉलेजिएट स्कूल, दरियापुर, पटना।
04. **डॉ॰ अरुण कुमार झा**, प्राचार्य, उच्च माध्यमिक विद्यालय, पंडितगंज, मसौढ़ी, पटना।
05. **डॉ॰ राज कुमार झा**, व्याख्याता, राजकीय बालक उच्च विद्यालय, पटना सिटी।
06. **डॉ॰ राम नारायण सिंह**, प्रभारी प्राचार्य, श्री रघुनाथ प्रसाद बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कंकड़बाग, पटना-20।
07. **डॉ॰ सुधीर कुमार झा**, व्याख्याता, मैथिली विभाग, संस्कृत कॉलेज, लगमा, मधुबनी।

समीक्षक

01. **डॉ॰ बासुकीनाथ झा**, पूर्व प्राचार्य, मैथिली विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया।
02. **डॉ॰ भगवानजी चौधरी**, पूर्व अध्यक्ष, मैथिली विभाग, साहेबगंज कॉलेज, साहेबगंज।

समन्वयक

- **डॉ. वीर कुमारी कुजुर**, व्याख्याता, एस.सी.ई.आर.टी., महेन्द्रू, पटना।

आमुख

पुस्तकक विकास क्रममे एहि बातक ध्यान राखल गेल अछि जे छात्र लोकनि अपन योग्यताक अनुरूप अपन भाषाक समुचित विकास कऽ सकताह। किशोर-वयक कल्पनाशक्तिक विकास, हुनक गति-विधिक सृजन-शीलता, प्रश्नोत्तरक विधि एवं दिशा-बोधक प्रयास कएल गेल अछि।

पाठ्यक्रमक विषय वस्तु छात्रक स्तरकेँ ध्यानमे राखि एहि पोथीमे मैथिलीक किछु प्रमुख पद्य आ गद्यक संकलन कयल गेल अछि। पाठ-चयनक प्रक्रियामे प्राचीन युगक अतिरिक्त नवयुगक स्वर आ साधनाक बहु-विध आयामकेँ रेखांकित करबाक यथा सम्भव प्रयास कयल गेल अछि। व्यावहारिक दृष्टिकोणसँ आजुक शिक्षा प्रायोगिक आ आभ्यासिक बेसी भेल जा रहल अछि किंबा भऽ गेल अछि। तेँ वस्तुनिष्ठ, विषयनिष्ठ, लघूत्तरीय, दीर्घोत्तरीय, बहुबैकल्पिक, शुद्ध-अशुद्ध शब्द, व्याकरण, गतिविधि आ छात्र लोकनिक योग्यता विस्तारक लेल शिक्षकसँ आवश्यक निर्देशनक अपेक्षा कयल गेल अछि।

प्रश्न आओर अभ्यासक निर्माणक क्रममे सहयोगी विद्वान, शिक्षकगण, छात्रलोकनिकेँ पाठक मूल विषय-वस्तुसँ अवगत करौलनि अछि जे जिज्ञासु छात्रलोकनि ज्ञानवर्द्धनमे सहायक होयत।

ऐच्छिक विषयक रूपमे नवम वर्गक "प्रवेशिका मैथिली गद्य-पद्य संग्रह (ऐच्छिक) भाग-1" पोथीमे प्रथमभागमे पद्य, दोसर भागमे गद्य, तेसर भागमे द्रुतवाचनक हेतु किछु रोचक आ प्रेरणादायक पाठ आ चारिम भागमे व्याकरणक विभिन्न पाठ राखल गेल अछि।

नवम वर्गक पाठ्यक्रमानुसार पद्य भागमे सातगोट कविता लेल गेल अछि। युवक लोकनिमे साहस, कर्त्तव्यनिष्ठता, स्वावलम्बन आ देश सेवाक प्रति उत्साह बढ़एबाक संदेश नीतिपरक कविता 'युवक' शीर्षकसँ भेटैत अछि। भक्ति पदसँ सम्बन्धित कविताक अन्तर्गत 'गंगाक विनती' लेल गेल अछि। भारतक अधिकांश लोक आइयो कृषि पर निर्भर करैत छथि। कृषि जीवनक मुख्य आधार थिक तेँ कृषिसँ सम्बन्धित कविता 'शस्य-गान' लेल गेल अछि। 'जय भारत' राष्ट्रबोधसँ सम्बन्धित कविता थिक। आइ हमरा देशमे पंचायतीराज व्यवस्था आ महिला सशक्तीकरण पर बहुत जोर देल जा रहल अछि। सरकार एकर सफलताक हेतु दत्त-चित्त अछि तेँ पंचायती राजसँ सम्बन्धित कविता 'नव उत्थान' आ महिला सशक्तीकरणसँ सम्बन्धित 'जनी-जाति' कविताक चयन कएल गेल अछि। स्वतंत्रता-संग्राममे राष्ट्रक प्रति पूर्वजक बलिदानक जानकारीसँ छात्र-लोकनिक हृदयमे त्याग आओर राष्ट्रीयताक भावना अक्षुण्ण रहय ताहि उद्देश्यसँ स्वतंत्रता सेनानी सम्बन्धी कविता 'शहीद तिलकमांझीक प्रति' लेल गेल अछि।

एहिना गद्य भागमे सेहो सात गोट पाठक चयन कएल गेल अछि। एहि आणविक युगमे सम्पूर्ण विश्व शान्तिक कामना कऽ रहल अछि, जे नितान्त आवश्यक अछि। ताहि दृष्टिसँ 'विश्व शान्ति' पाठक चयन कएल गेल अछि।

महापुरुषक जीवनीक अन्तर्गत 'लोक नायक जयप्रकाश नारायण' पाठ छात्र-लोकनिक प्रेरणा-स्त्रोतक कार्य करत। मिथिला-विभूति शीर्षक पाठमे 'महाकवि लालदासक चयन कयल गेल अछि। सत्य आ न्याय पर आधारित प्रेरणादायक कथा 'राजकुमार रोहिताश्व' क समावेश कयल गेल अछि। मिथिलाक लोक संस्कृतिमे अनेकतामे एकताक झलक सहजहि भेटैत अछि ताहि दृष्टिएँ 'मिथिलाक लोक संस्कृतिमे सामाजिक समरसता, जन्य पाठक समावेश कयल गेल अछि। पर्यावरण सम्पूर्ण जीवनक आधार अछि। सम्पूर्ण विश्वक लेल आई ई सभसँ पैघ समस्या अछि तेँ पर्यावरणसँ सम्बन्धित कथा आ एकटा कश्मीरी भाषासँ अनूदित कथा देल गेल अछि।

छात्र-लोकनिक वाचन-शक्तिकेँ सबल बनयबाक हेतु द्रुतवाचनक अन्तर्गत तीन गोट रोचक कथा लेल गेल अछि। एही तरहेँ छात्र-लोकनिक भाषा ज्ञान संबंधी वृद्धिक हेतु व्याकरण रचना आओर विभिन्न विषयसँ सम्बन्धित निबन्ध राखल गेल अछि।

पुस्तकमे त्रुटि नहि हो तकर पूर्ण प्रयास कयल गेल अछि। मुदा त्रुटि रहि जायव स्वाभाविके होइछ। तेँ त्रुटि सुधार हेतु अनुरागी विद्वान शिक्षक, सुधी पाठक लोकनि आवश्यक दिशा-निर्देश देताह से पूर्ण विश्वास अछि।

निदेशक

राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्

बिहार, पटना-6

□□□

विषय-अनुक्रम

		पृष्ठ संख्या
पद्य भाग		
1. काञ्चीनाथ झा 'किरण'	-युवकसँ	2-4
2. ईशनाथ झा	-गंगाक विनती	5-8
3. आरसी प्रसाद सिंह	-शस्य गान	9-13
4. उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'	-जय भारत	14-19
5. महेन्द्र	-नव उत्थान	20-23
6. बुद्धिनाथ मिश्र	-जनी जाति	24-27
7. अरूणाभ सौरभ	-शहीद तिलकामाँझीक प्रति	28-34
गद्य भाग		
1. युगेश्वर झा	-विश्वशान्ति	36-40
2. सुरेश्वर झा	-जयप्रकाश नारायण	41-48
3. राधाकृष्ण चौधरी	-लाल दास	49-54
4. भगवानजी चौधरी	-पर्यावरण	55-60
5. योगानन्द झा (अनुवाद-अंग्रेजीसँ)	-राजकुमार रोहिताश्व	61-64
6. महेन्द्र नारायण राम	-मिथिलाक लोकसंस्कृतिमे सामाजिक समरसता	65-71
7. विभा रानी (अनुवाद-कश्मीरी कथा)	-अज्ञातवाससँ घुरइत	72-78
द्रुतवाचन		
1. प्रो. हरिमोहन झा	-टोटमा	80-83
2. सुभाष चन्द्र यादव	-काठक बनल लोक	84-86
3. इन्दिरा झा	-अद्‌भुतानन्द	87-89
व्याकरण		90-123
1. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, काल, क्रिया, अव्यय, अनेक शब्दक एक शब्द, पर्यायवाची आ विपरीतार्थक शब्द		
2. संक्षेपण		
3. पत्र लेखन		
निबंध		124-144